

and tubes consisting of 1,20,000 giant tyres and tubes each and 60,00 automobile tyres and tubes each, per annum, in collaboration with M/s. TECHNOEXPORT of Czechoslovakia.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूँ कि यह कारखाना कलकत्ते में ही लगाया जायगा या किसी दूसरी जगह लगाया जायगा ?

श्री कानूनगो : कलकत्ते के पास ही कहीं लगाया जा रहा है, वैस्ट बंगाल में ।

श्री विभूति मिश्र : क्या इस फैक्टरी को कलकत्ता में लगाने से ज्यादा फायदा रहेगा या मैसूर और बम्बई में लगाने से ज्यादा फायदा रहेगा क्योंकि रबर वहाँ से पास मिलता है और उस को लाने में वहाँ खर्चा कम होगा? इस कारखाने को वहाँ बनाने में क्या दिक्कत है ?

श्री कानूनगो : हिन्दुस्तान में चारों तरफ आठ दस फैक्टरियाँ हैं । आजकल टायर बनाने में खास कर रबर की उतनी जरूरत नहीं होती है । ज्यादातर टायर सिंथेटिक रबर के बनते हैं ।

Shri Maheshwar Naik: What are the existing needs of the country and to what extent we have been able to manufacture to meet the needs of the country?

Shri Kanungo: We hope not only to meet the entire demand but there is a possibility of exporting also. In a couple of years our production will be round about 5 million.

Shri S. M. Banerjee: Since the hon. Minister has stated that synthetic rubber will be required and as a synthetic rubber factory has been established in Bareilly in UP, may I know whether a tyre factory is likely to be established in UP?

Shri Kanungo: There are many proposals but nothing has been finalised.

श्रीखला औद्योगिक बस्ति

+

*२४४. { श्री यशपाल सिंह
श्री भागवत झा प्राजाप :
श्री रामेश्वर टांटिया :
श्री शं० ना० चतुर्वेदी :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्रीखला औद्योगिक बस्ती के औद्योगिक संस्थानों में लगाने के लिये कुछ मास पूर्व विदेशों से मंगाई गई लाखों रुपये की मशीनें बेकार पड़ी हैं;

(ख) क्या सरकार ने यह आश्वासन दिया था कि आयात के तुरन्त बाद इनको स्थापना के लिये वर्कशापों के शीड बना दिये जायेंगे; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने अब तक क्या कदम उठाये हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मन्त्रालय म उद्योग मन्त्री (श्री कानूनगो) : (क) सरकार को इस का पता नहीं है ।

(ख) जहाँ नहीं । श्रीखला औद्योगिक बस्ती (द्वितीय चरण) में शीडों का नियतन करने के लिये चालीस कारखानों को चुना गया था उन में से कुछ को अन्तिम नियतन सम्बन्धी पत्र मई १९६१ में जारी किये गये थे किन्तु फैक्टरियों के पूरे हो जाने के बारे में कोई वचन नहीं दिया गया था ।

(ग) शीड लगभग पूरे हो चुके हैं । ज्योंही पानी और बिजली की सुविधायें उपलब्ध हो जायेंगी, त्योंही इन के कब्जे की अनुमति दे दी जायेगी ।

श्री यशपाल सिंह : क्या यह स्मोल स्केल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड ने जो दिक्कतें पैदा की हैं यह उस सामान को मंगाने से पहले दूर नहीं की जा सकती थीं जिससे कि

चार महीने तक गवर्नमेंट को यह नुकसान न उठाना पड़ता ?

श्री कानूनगो : कोई नुकसान नहीं हुआ है ।

अध्यक्ष महोदय : यह पड़े नहीं है तो तो नुकसान कैसे हुआ ?

श्री यशपाल सिंह : ओखला में सामान जो पड़ा हुआ है ?

अध्यक्ष महोदय : सामान पड़ा नहीं है यही तो वह कह रहे हैं ।

Shri Jashvant Mehta: What is the total capital investment in the Okhla Industrial Estate uptill now?

Shri Kanungo: The industrial estate has been built. It is not going to fetch any revenue.

Shri Jashvant Mehta: What is the expenditure for preparing the sheds etc.?

Shri Kanungo: I could not give the exact figures.

Shri Sham Lal Saraf: May I know whether all the sheds of all types, that is, a, b, c and d, that have been constructed have been occupied?

Shri Kanungo: I have said that they have not been occupied. Allotment letters have been issued. They will be occupied as soon as electricity and water are provided. There is a difficulty in Delhi about electricity and water.

Shrimati Savitri Nigam: Has the hon. Minister received some complaints from the owners to the effect that because of delay in the arrangements for the supply of electricity and water, work is suffering, the machinery is lying and is getting wasted?

Shri Kanungo: I have said that there is no machinery lying.

Shrimati Savitri Nigam: My question was.....

Mr. Speaker: The hon. Minister says that there is no machinery lying. If he had received complaints then he must have said that something is there.

Shri S. M. Banerjee: May I know whether it is a fact that the Indo-German Prototype Factory in Okhla is capable of manufacturing arms and some requirements of the Army and whether all those units which are working at present in the Industrial Estate are likely to be engaged in the war effort?

Shri Kanungo: Not necessarily. Whatever the machines are they can do that, not all.

Shri Narendra Singh Mahida: When will electricity and water supply be given to this Industrial Estate?

Shri Kanungo: As I said, electricity and water supply in Delhi is rather difficult. But we hope that by March it will be completed.

Sindri Fertilizers

+
*345. { **Shri K. C. Pant:**
 Shri Morarka:

Will the Minister of Steel and Heavy Industries be pleased to state:

(a) whether the lumpsum contract entered into with the Italian firm by Sindri Fertilizers for Rs. 7 crores has been increased to Rs. 9 crores;

(b) whether the cost is expected to go up further; and

(c) the justification and reasons for this increase.

The Deputy Minister in the Ministry of Steel and Heavy Industries (Shri P. C. Sethi): (a) to (c). The contract contains an escalation clause which provides for adjustments in the contract price to cover rise in prices of construction materials, variation in rates of customs duty and changes in the scope of work. In terms of this about Rs. 1.03 crores have been paid to the Italian firm above the original